Day .....

CHAPTER - I

कविता - प्रार्थना (कंठस्थ).

I

हे ईश्वर, हम सब बालक नादान,
हम सबको आपका मिले वरदान ॥

रहें सदा हम ऐसे मिलकर
आपस में सगे बंधु बनकर।
शत्रु-भाव देश से दूर भगाएँ।
हम सबको अपने गले लगाएँ।

II शब्दार्थ :

1. नादान - मासूम
2. सगे - अपने ही कुल के
3. वरदान - आशीर्वाद
4. शत्रु - भाव - दुश्मनी का भाव
5. आज्ञा मानना - कहना मानना
6. ईश - ईश्वर / भगवान

III नीचे दिए गए प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए :

1. बालक किससे प्रार्थना कर रहे हैं ?

उ: बालक ईश्वर से प्रार्थना कर रहे हैं।

2. बालक ईश्वर से क्या वरदान माँग रहे हैं ?

उ: हम सबको ईश्वर का यह वरदान मिले कि हम

Scanned with OKEN Scanner

Day .....

सब शत्रुता का भाव छोड़ें, और मिल-जुलकर रहें।

3. माता-पिता के साथ हमें कैसा व्यवहार करना चाहिए ?

उ: हमें माता-पिता की आज्ञा माननी चाहिए तथा अच्छे-अच्छे काम करके उन्हें खुश करना चाहिए।

IV प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. देश में एकता लाने के लिए बालकों को क्या करना चाहिए ?

उ: देश में एकता लाने के लिए बालक को हमेशा सगे भाई की तरह आपस में मिलकर रहना चाहिए तथा शत्रुता के भाव को देश से दूर भगाना चाहिए।

2. गुरु और ईश्वर के प्रति बालकों का व्यवहार कैसा होना चाहिए ?

उ: बालक को मन से गुरु की सेवा करनी चाहिए और सदैव ईश्वर का गुणगान करना चाहिए।

Scanned with OKEN Scanner

Day .....

3. बालकों को किस तरह के काम करने चाहिए?

उ: बालक को अच्छे और सच्चे काम करने चाहिए।

NOTE: Complete all the bookback exercise page No- 4 to 7

Scanned with OKEN Scanner

Day ..... CHAPTER - 2

पाठ - सलाह न मानने का फल

I शब्दार्थ :

1. गीदड़ - सियार
2. मित्रता - दोस्ती
3. खेत - जोतने - बोने की भूमि
4. सुगंध - खुशबू
5. मुसीबत - परेशानी
6. रखवाले - रक्षा करनेवाले
7. नियंत्रण - काबू
8. बेकार में - व्यर्थ ही
9. बाड़ - खेत की बाड़
10. रेंकना - गधे की आवाज़
11. क्रोधित - गुस्से में
12. पीड़ा - दुःख

II प्रश्नों के मौखिक उत्तर लिखिए :

1. गधा क्या काम करता था ?

उ. गधा दिनभर अपने मालिक धोबी के कपड़े ढोया करता था।

Day .....

2. गधे की मित्रता कब और किससे हुई ?

उ. गधा हमेशा की तरह रात में चर रहा था तब उसने एक गीदड़ को देखा। उसी गीदड़ से उसकी मित्रता हो गई।

3. गधा और गीदड़ खेतों की बाड़ तोड़कर अंदर चले जाते और खेतों से मनचाहा भोजन प्राप्त करते थे।

III नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. गधे ने गीदड़ को खेत में क्या कहा ?

उ. गधे ने गीदड़ से खेत में कहा कि इस सुहावनी रात में उसका मन गाना गाने का कर रहा है।

2. गीदड़ गधे को क्या कहकर बुलाता था ?

उ. गीदड़ गधे को 'मामा' कहकर बुलाता था।

3. गधे ने गीदड़ की बात क्यों नहीं मानी ?

उ. गधे ने गीदड़ की बात इसलिए नहीं मानी क्योंकि गधे की समझ में गीदड़ तो जंगल में रहने वाला है। उसे संगीत का ज्ञान नहीं है।

Scanned with OKEN Scanner

Day .....

4. गधे को गीदड़ की बात न मानने का क्या परिणाम भुगतना पड़ा ?

उ. * गधे के रेंकने की आवाज़ सुनकर खेत का रखवाला जाग गया।

* उसने जब खेत में गधे को देखा तो क्रोधित होकर उसे बहुत मारा।

* इस तरह गीदड़ की बात न मानने के कारण गधे को बहुत मार खानी पड़ी।

Complete all the book back excercise

Page No - 11 - 15

व्याकरण भारती -

* भाषा, बोली, लिपि और व्याकरण

* वर्ण विचार और उच्चारण -

* अशुद्धियाँ Page No - 8-9

Page No - 18-19

Scanned with OKEN Scanner

Day .....

अनुच्छेद - त्योहारों का महत्व

* हमारे देश में राष्ट्रीय और सामाजिक त्योहार बड़े धूमधाम से मनाते हैं।
* भारत में कई प्रकार के त्योहार मनाते हैं जैसे - दीपावली, होली, ईद दशहरा, पोंगल, क्रिसमस, ओणम आदि।
* यहाँ सभी धर्म के लोग एकजुट होकर त्योहार मनाते हैं।
* त्योहार हमें एकता की सूत्र में बाँधते हैं।
* त्योहार और पर्व मनुष्य के जीवन को खुशियों और आनंद से भर देता है।

Scanned with OKEN Scanner